हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 9 जून 2025

11 किसानों को दी बारानी खेती में उत्पादकता बढ़ाने के उपाय

12 3 दशक से अटका बुढ़वाल नहर का निर्माण कार्य शुरू

MR DEGREE COLLEGE
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

CBSE बोर्ड, हरियाणा बोर्ड व अन्य किसी भी बोर्ड से फेल विद्यार्थी इसी वर्ष फेल विषयों की परीक्षा देकर साल बचाएं।
10th & 12th (NIOS) ओपन से पास करें।
D.R. GROUP OF INSTITUTIONS
महेन्द्रगढ़ नजदीक सतनाली चौक, नारनौल रोड़, महेन्द्रगढ़
Call us: 8059001617, 8059171616
कोसली बिजली बोर्ड के सामने, कोसली
Call us: 9050676072
सभी कोर्स सरकारी यूनिवर्सिटी व बोर्ड से पास करें।
B.A., B.Com., B.Sc., M.A.,M.Sc.
M.Com., Yoga Teacher, NTT,
B.Ed., JBT, LLB, D. Pharmacy
YOGA TEACHER TRAINING PROGRAMME
CERTIFICATE IN AGRICULTURE AND ANIMAL HUSBANDRY
CERTIFICATE IN COMPUTER APPLICATION
CERTIFICATE IN EARLY CHILDHOOD CARE AND EDUCATION (NTT)
CERTIFICATE IN BEAUTY CULTURE & HAIR CARE
AYRVEDA AND YOGA
DIPLOMA IN RADIOGRAPHY
ELECTRICAL TECHNICIAN
CERTIFICATE IN WELDING
CERTIFICATE IN PANCHKARMA ASS.

खबर संक्षेप

10 जून को होगा हनुमान का भंडारा

नारनौल। रोडवेज डिपो के शिव मंदिर कार्यशाला में 10 जून को प्रातः 10 बजे हनुमान जी के भंडारे का आयोजन किया जाएगा। नारनौल डिपो के मुख्य निरीक्षण ब्रह्मप्रकाश व सतीश कुमार के साथ–साथ डिपो प्रधान हंसराज यादव ने बताया कि सभी साथी मिलकर इस भंडारे का आयोजन करेंगे।

दिनभर बाधित रहेगी बारड़ा पावर हाउस की बिजली

सतनाली मंडी। 33 केवी पावर हाऊस बारड़ा के सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति सोमवार को सुबह सात से शाम सात बजे तक बाधित रहेगी। पावर हाऊस इंचार्ज अमित कुमार ने बताया कि एसडीओ हनुमान प्रसाद के निर्देशानुसार पावर हाऊस में पुरानी वीसीबी को हटाकर नई वीसीबी लगाने का कार्य किया जाएगा, जिसके कारण पावर हाऊस से चलने वाले सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति सुबह सात से शाम सात बजे तक बाधित रहेगी।

कनीना कॉलेज में 21 को आयोजित होगा योग दिवस

कनीना। आगामी 21 जून को राजकीय महाविद्यालय कनीना में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। उपमंडल स्तरीय इस योग दिवस समारोह में अधिकारी, कर्मचारी एवं आमजन हिस्सा लेगें। एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि योग दिवस समारोह की तैयारियां जारी हैं। 19 जून को गांवों व वार्डों में योग जागरण यात्रा निकाली जाएगी तथा 20 जून को कार्यक्रम की फाइनल रिहर्सल होगी। उन्होंने बताया कि संबंधित विभागाध्यक्ष योग प्रशिक्षकों के लिए आयुष विभाग से संपर्क कर सकते हैं। योग दिवस को लेकर आयोजित बैठक में अधिकारियों को जिम्मेवारी सौंप दी गई है।

मंडी अटेली। कैंप के समापन पर बच्चों को प्रमाण पत्र देते हुए। फोटो : हरिभूमि

खेड़ी में भारतीय भाषा समर कैंप का समापन

मंडी अटेली। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय खेड़ी में भारतीय भाषा समर कैंप का समापन हुआ। इस मौके पर मुख्य अध्यापक जोगेंद्र कुमार ने बताया कि भारतीय भाषा शिविर का मुख्य उद्देश्य है कि बच्चों को अपनी मातृभाषा के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं से भी परिचित कराया जाए। उन्होंने बताया यह शिविर बच्चों को भाषाओं की भाषाई और सांस्कृतिक एकता का अनुभव कराने में मदद करता है। जिससे आपसी सम्मान, सांस्कृतिक प्रशंसा और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा मिलता है। इस मौके पर सुरेश कुमार, महावीर प्रसाद, दुर्गा देवी, संजू देवी व शेरसिंह इत्यादि मौजूद रहे।

अलर्ट : 1 मलेरिया केस मिला, 590 घरों को लार्वा का नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मच्छरजनित रोगों पर नियंत्रण पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की मलेरिया शाखा फील्ड में लगातार काम कर रही है। इस विभाग की 152 टीमें मच्छरजनित रोगों को लेकर ब्लड स्लाइड ले रही हैं। विभाग के आंकड़ों में डेंगू का कोई केस नहीं है। हालांकि गत 23 मई को मलेरिया का एक केस मिल चुका है, जो यूपी का रहने वाला था और बाहर से आया था। मच्छर का लार्वा मिलने पर 590 घरों को नोटिस थमाया गया है। गौर हो कि मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग डोर टू डोर जांच कर रहा है। राहत की बात यह है कि पिछले पांच महीनों में अभी तक डेंगू का एक भी मरीज नहीं मिला है। जनवरी से 31 मई तक 590 घरों में लार्वा मिलने पर विभाग की तरफ से नोटिस दिया जा चुका है। अब तक जिले में मई माह तक 11,60,245 घरों में जांच की जा चुकी है। वहीं अभी तक 53,846 बुखार के मरीजों की रक्त पट्टिकाएं बनाकर जांच की गई है, जिसमें एक मलेरिया संक्रमित मरीज मिला है, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और कुछ दिन पहले ही 23 मई को इस जिले में आया है। मरीज को नागरिक अस्पताल नारनौल में उपलब्ध करवा दिया गया है और वह अब स्वस्थ है।

मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिए मलेरिया शाखा की 152 टीमें घर–घर जाकर कर रही लार्वा की जांच, रक्त पट्टिकाएं भी की जा रही तैयार

नारनौल। नाली में मच्छर पैदा होने से रोकने के लिए दवा डालते हुए। फोटो : हरिभूमि

डेंगू मरीजों की स्थिति

वर्ष	डेंगू मरीज
2017	03
2018	04
2019	10
2020	07
2021	161
2022	72
2023	44
2024	62
2025	00

अब प्लेटलेट्स के लिए

डेंगू मरीजों को प्लेटलेट्स के लिए भटकना पड़ता था, लेकिन बीते एक माह पूर्व नागरिक अस्पताल में ब्लड कंपोनेंट सपरेशन मशीन शुरू होने से मरीजों के तिमारदारों को प्लेटलेट्स के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। प्लेटलेट्स की जरूरत पड़ने पर ब्लड उपलब्ध होने पर उस ब्लड को चार अलग-अलग भागों को बांटा जा सकेगा तथा प्लेटलेट्स उपलब्ध हो सकेंगी।

यह बोले मलेरिया इंचार्ज

मलेरिया शाखा के इंचार्ज डा. मनीष यादव ने बताया कि मच्छरजनित रोगों की जांच नागरिक अस्पताल में निःशुल्क की जाती है। इन बीमारियों के लक्षण वाले मरीज अस्पताल से जांच करवा सकते हैं और उपचार भी निःशुल्क किया जाता है।

लगातार घर–घर कर रहे जांच

जिले में डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार प्रयासरत हैं। आमजन में पंपलेट बांटे जा रहे हैं, ताकि लोग मच्छरजनित रोगों के प्रति जागरूक बनें और अपना बचाव कर सकें। मच्छर के लार्वा की घर-घर जांच कर रही है। जिन घरों में लार्वा मिलता है, उन्हें नोटिस भी दिया जाता है। जिले में अब तक 590 घरों में लार्वा मिलने पर नोटिस दिए गए हैं। डेंगू को लेकर भी विभाग सतर्क है।

-डॉ. अशोक कुमार, सिविल सर्जन, नारनौल

सरल पोर्टल पर राहत : अभ्यर्थियों के पास आने लगे जाति प्रमाण पत्र बनने के मैसेज, पोर्टल पर दिखा रहा पेंडिंग

1 एसएमएस पर लिंक से कर सकते हैं सर्टिफिकेट डाउनलोड, रात को पोर्टल अच्छा चला दिनभर रेंगता रहा

2 हरिभूमि खबर का असर : प्रशासन ने शनिवार को पटवारियों ने फाइलों की तस्दीक

सतीश सैनी ▶▶ नारनौल

हरियाणा में सरकारी नौकरी पाने के इच्छुक युवाओं के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। पिछले 13 दिनों से सरल पोर्टल पर जाति प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही समस्याओं का अंत होता दिख रहा है। शनिवार देर रात से सरल पोर्टल ने सुचारु रूप से काम करना शुरू कर दिया, जिसके बाद अभ्यर्थियों को अपने लंबित आवेदनों के पास होने के एसएमएस मिलने लगे है। हालांकि पोर्टल पर अभी भी कई आवेदन पेंडिंग दिखा रहे है लेकिन एसएमएस में दिए गए लिंक के माध्यम से सर्टिफिकेट डाउनलोड किए जा सकते है। हरिभूमि की खबर के बाद जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लिया और शनिवार को पटवारियों ने फाइलों की तस्दीक की है, वहीं सरल कर्मचारियों ने भी फाइलों को पास किया। जिससे युवाओं ने प्रशासन का आभार जताया है।

लगातार परेशान थे अभ्यर्थी

सरकारी नौकरी के लिए अनिवार्य सीईटी परीक्षा पास करने के लिए युवाओं को जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता है और विभाग ने एक अप्रैल के बाद का प्रमाण पत्र वैध कर रखा है। इसी के चलते सरल पोर्टल पर भारी संख्या में आवेदन आए जिससे सर्वर ठप हो गया था। युवाओं को सीएससी सेंटरों के चक्कर काटने पड़ रहे थे लेकिन अब शनिवार रात से राहत की सांस ली है।

सीएम की घोषणा का प्रभाव

हरियाणा में सरकारी नौकरी के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट पास करना अनिवार्य है। ग्रुप डी की भर्तियां सीधे सीईटी मेरिट के आधार पर होती है, जबकि ग्रुप सी के लिए यह योग्यता मापदंड है। पिछले 12 सालों से मेरिट और टेस्ट के आधार पर नौकरी देने की प्रक्रिया से युवाओं में नौकरी पाने की चाहत बढ़ी है।

नारनौल। रात एक बजे सीएससी सेंटर पर इन्तजार करते युवा। फोटो : हरिभूमि

एसएमएस से डाउनलोड हो रहे सर्टिफिकेट

सीएससी संचालक से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात 11 बजे से सरल पोर्टल सुचारु रूप से चलने लगा। जिससे युवाओं को बड़ी राहत मिली है। भले ही पोर्टल पर अभी भी कुछ फाइलें पेंडिंग दिखा रही हो, लेकिन एसएमएस के जरिए मिले लिंक से अभ्यर्थी अपने सर्टिफिकेट डाउनलोड कर पा रहे है। जिला प्रशासन ने इस समस्या पर ध्यान दिया और हरिभूमि खबर के बाद पटवारियों ने फाइलों की तस्दीक की और सरल कर्मचारियों ने भी आवेदनों को पास किया।

इस बार होगी 100 अंकों की परीक्षा

इस बार 100 अंकों की परीक्षा होगी, जिसमें सभी प्रश्न एक अंक के होंगे। आरक्षित वर्ग में 40 प्रश्न और सामान्य वर्ग में 50 प्रश्न सही करने वाले अभ्यर्थी पास माने जाएंगे। पिछली बार 0.95 अंक का प्रश्न होने के कारण आरक्षित वर्ग में 38.5 अंक और सामान्य वर्ग में 47.5 अंक वाले पास माने गए थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में सीईटी पास करने वाले बेरोजगार उम्मीदवारों को नौ हजार रुपये प्रति माह देने का वादा किया है जिससे आवेदनों की संख्या में और वृद्धि की उम्मीद है। जाति प्रमाण पत्र की अधिक मांग का कारण यह भी है कि विभाग ने एक अप्रैल के बाद का जाति प्रमाण पत्र वैध कर रखा है जिससे सरल सर्वर पर अत्यधिक बोझ पड़ा था।

अंतिम तिथि बढ़ने की संभावना

सीएससी संचालक हरिओम यादव ने हरिभूमि टीम को बताया कि शनिवार रात सरल पोर्टल सर्वर सही चला। हालांकि रविवार को दिन भर पोर्टल धीमा ही रहा। 27 मई से किए गए आवेदनों के पास होने के एसएमएस लगातार मिल रहे है। छुट्टी के दिन शनिवार को हरियाणा निवास पत्र भी जारी हुए। हरिभूमि लगातार युवाओं की आवाज उठा रहा है, जिसके परिणाम अब सामने आने लगे है।

पोर्टल नहीं चल रहा मामला संज्ञान में

इस संबंध में विधायक ओमप्रकाश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरल पोर्टल की समस्या उनके संज्ञान में है और वे इसे सरकार के संज्ञान में भी लाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि सरल पोर्टल इसी तरह धीमा चलता रहा तो सीईटी आवेदन की अंतिम तिथि अवश्य बढ़ाई जाएगी ताकि कोई भी युवा फॉर्म भरने से वंचित न रहे।

नांगल चौधरी। बाबा मुकुंददास गौशाला में योगासन करते शहरवासी।

यज्ञ व योग से बढ़ेगा आत्मविश्वास: ललित

नांगल चौधरी। आयुष विभाग एवं भारत विकास परिषद के तत्वाधान में बाबा मुकुंददास गौशाला में योग प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। जिसमें आयुष विभाग के चिकित्सक ललित मोहन जोशी व योग शिक्षिका अशोक कुमारी ने योग क्रियाएं कराई तथा बीमारियों से बचाव के टिप्स दिए हैं। उन्होंने कहा कि यज्ञ और योग ही भारतीय संस्कृति के आधार हैं। योगासनों से शरीर तंदुरुस्त रहेगा तो यज्ञ करने मानसिक विकृतियों से निजात मिलेगी और सकारात्मकता का संचार होगा। शरीर के विभिन्न अंग 24 घंटे क्रियावित रहते हैं उनमें थोड़ी खराबी होते ही जानलेवा खतरा संभव है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को 24 घंटे में 24 मिनट योगासन अवश्य करने चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि यज्ञ से ही बादलों का निर्माण होता है और बादलों की वर्षा से प्रकृति व मनुष्य की सभी जरूरतें पूरी होती हैं। नोडल अधिकारी एसडीएम मनोज कुमार व डॉ शशीबाला के दिशा-निर्देशन में योग प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। 21 जून को अनाज मंडी में 11 वां अंतराष्ट्रीय योगदिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर कुलदीप जेलदार, एडवोकेट लखीराम यादव, सुरेंद्र कुमार, अनिल कुमार, प्रमोद वत्स, अंजनी शास्त्री, नीरज अग्रवाल, बस्तीराम, पवन मित्तल, मुकेश गुप्ता, पृथ्वी सिंह, कर्णसिंह मौजूद रहे हैं।

नारनौल। प्रभात फेरी में श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

शहर में निकली 125वीं राधा-कृष्ण प्रभात फेरी, गूंजा राधे-राधे का स्वर

नारनौल। राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार को 125वीं राधा-कृष्ण प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह आयोजन मौहल्ला नलापुर स्थित संतोषी माता मंदिर के पास से प्रारंभ हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रभात फेरी के यजमान उषा अग्रवाल पत्नी प्रमोद अग्रवाल ने अपने निवास स्थान पर ठाकुरजी की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर फेरी का शुभारंभ किया। आयोजन का वातावरण पूर्णतः भक्तिमय रहा। ढोल-नगाड़ों की थाप पर, हाथों में डफली, झांझ-मंजीरा और घंटियां लिए श्रद्धालु राधे-राधे के मधुर नाम का संकीर्तन करते हुए प्रभात फेरी में आगे बढ़ते रहे। छोटे-छोटे बच्चों की जयकारों और भक्तों के उल्लास ने सुबह को अध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस आयोजन ने नारनौल की गलियों को वृंदावन की कुंज गलियों की भांति भक्तिरस में सराबोर कर दिया। प्रभात फेरी यजमान के निवास से आरंभ होकर पूरे मौहल्ले की परिक्रमा करते हुए पुनः वहीं सम्पन्न हुई।

सभी 15 वार्ड पार्षद, विधायक और सांसद को भेजा पत्र

नपाहाउस की साधारण बैठक आज, 4 एजेंडों पर होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

नगर पालिका हाउस की साधारण बैठक नौ जून को नगर पालिका कार्यालय में आयोजित की जाएंगी।

■ नगर पालिका कार्यालय में आयोजित की जाएगी बैठक

बैठक में शहर के अनेक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। नगर पालिका के अधिकारियों की ओर से शहर के सभी 15 वार्ड पार्षद, विधायक कंवर सिंह यादव व सांसद धर्मबीर सिंह को पत्र भेजे जा चुके हैं। नगर पालिका की ओर वार्ड एक पार्षद सरिता राठी, दो से रजनेश कुमारी, तीन से अशोक सैनी, चार से ममता देवी, छह से राजेश, सात से भतेरी देवी, आठ से निखिल, नौ से देवेंद्र सैनी, दस से सीमा रानी, 11 से शारदा देवी, वार्ड 12 से विष्णु वाल्मीकि, 13 से सुरेंद्र कुमार, 14 से सुखबीर यादव, 15 ये सुनील व मंजू कौशिक को पत्र जारी किया गया है।

2022 में नपा कार्यकारिणी के हुए थे चुनाव

बता दें कि जून 2022 में नगर पालिका की कार्यकारिणी के चुनाव हुए थे। भाजपा का चेयरमैन चुने जाने के बाद आमजन को शहर में विकास कार्य को लेकर काफी उम्मीदें थी, लेकिन करीब ढाई साल बीत जाने के बाद भी शहर में कोई विकास कार्य शुरू नहीं हो पाया हैं। ढाई साल के दौरान अधिकारियों व पार्षदों के बीच आयोजित हुई बैठक में अनेक प्रस्ताव पास किए गए हैं। पिछली आयोजित हुई बैठक में भी अनेक प्रस्ताव पास हुए थे, लेकिन अभी तक कोई भी प्रस्ताव धरातल पर नहीं उतर पाया हैं। शहर में विकास कार्य शुरू नहीं होने से नगर पालिका हाउस द्वारा धरना तक दिया गया था। धरने के दौरान अधिकारियों की ओर से दावा किया गया था कि शहर में जल्द विकास कार्य शुरू होंगे, लेकिन आचार संहिता लगने के कारण किसी भी विकास कार्य के टेंडर तक नहीं हो पाए थे। हालांकि फिलहाल शहर में अभी छोटी-मोटी गलियों, मोदाश्रम तक सड़क, स्ट्रीट लाइट, 11 हट्टा बाजार की सड़क का निर्माण कार्य चल रहा हैं।

इन मुद्दों पर की जाएंगी

पत्र में कहा गया हैं कि मोदाश्रम के पास बिजली निगम को सब सटेशन के निर्माण के लिए दो से तीन एकड़ जमीन देना, डुलाना रोड पर हनुमान मंदिर को दूसरी जगह शिफ्ट करने के लिए, लाल डोरे में स्थित संपति धारकों को प्रोपर्टी सर्टिफिकेट देना, फुटकर खर्चों के बिलों की अदायगी के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

अन्य एजेंडा पर भी चर्चा

नपा प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि नौ जून को बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य एजेंडों पर भी चर्चा की जाएंगी। विकास कार्यों की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

शनिवार के दिन सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले कर देती थी।

कहानी
ललिता विम्मी

वो मेरी गलियां

बहुत दिनों बाद, आज अपने शहर, अपनी गली, अपने घर की तरफ़ जाना हुआ था। हालांकि मेरा कुछ नहीं बचा था वहां, बहुत पहले ही सब के ठिकाने बदल गए थे। चिलचिलाती धूप, गर्म लूं के थपेड़े, सिर पर ओढ़े हुए सूती दुपट्टे को एक बार फिर और खोल कर लपेट लिया था मैंने।

वही गली थी, बस अब पक्की बन गई थी। बड़ी सी मुख्य सड़क के सामने मेरे घर की भीड़ी सी गली। मुख्य सड़क पर एक ओर मंदिर था, मंदिर के बाहर एक विशाल पीपल का पेड़ हुआ करता था। पीपल के पेड़ के बराबर में एक तंग सी गली, और गली के बराबर में ही सीधे हाथ पर एक दुकान जहां टाफियाँ, पीले रंग के नमकीन रोल, जो फूंक मारने से ही उड़ जाते थे। मीठी और तरह तरह के रंगों की रंगीन सी गोलियां बहुत मज़ा आता था उन्हें खाने में। कभी अलग-अलग रंग लेती, तो कभी एक जैसा रंग। दुकान वाला चाचा, जो कि सबका चाचा था, बहुत डांटता था, रंग खाने हैं या गोलियाँ'?

पीपल के पेड़ के बायें हाथ को भी एक छोटी सी हलवाई की दुकान थी जहां दूध, मिठाइयां और प्रसाद मिलता था।

शनिवार को सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले। मेरा एक सहपाठी नवीन जो कि मेरे साथ ही स्कूल जाया करता था। शायद मुझे ये सब करते देख चुका था। मेरे घर शिकायत करने की उसमें हिम्मत नहीं थी, क्यों कि उस समय मैं अपने ग्रुप की सरदार थी और नवीन जैसे बहुत से बच्चे, जिन्हें दूसरे बच्चों से झगड़ने से डर लगता था। वे सरदार की शरण में रहते थे। शनिदेव के उन सिक्कों से मेरा व्यापार भी चलता था। बहुत बच्चों को मैंने उधार दे रखा था। वापसी तो किसी से भी नहीं हुई थी पर पैसों के चलते मेरा अलग ही रौब था।

एक दिन हमारे स्कूल के बाहर एक अलग तरह की कुल्फी प्लेट में बिक रही थी, उसमें लच्छे भी थे। मुझे उस कुल्फी की बहुत इच्छा हुई, मेरी उस समय की भाषा में मुझे बस कुल्फी की भूख लगी थी। मैंने अपने सारे देनदारों से पैसे वापस मांगे, और वो भी धमका कर।

आधी छुट्टी पूरी होने तक मुश्किल से पैसे इकट्ठे हुए, मैंने कक्षा में ना जाकर कुल्फी वाले के पास खड़े होकर कुल्फी खाई।

मेरे पीछे मुझ से प्रताड़ित बच्चों ने मीटिंग करके आते ही मुझे टीचर से प्रताड़ित करवाया। मैं बहुत ही दुखी धीमे-धीमे कदमों से घर पहुंची ही थी कि घर पर भी एमरजेंसी अदालत लगी हुई थी। मुझे स्कूल में पिटता देखकर शायद नवीन के भी पर निकल आये थे। उसने मेरे घर में मेरी मां को सब बता दिया था ।

मां बेचारी बहुत परेशान थी, उन्हें ये चिंता थी कि शनिदेव के पैसे उठाकर जो भूल लड़की ने की है, शनिदेव से कैसे क्षमा याचना करवाई जाये।

बड़े ताऊजी और बड़ी मां को ये चिंता थी कि लड़की की जात और बदमाशी लड़कों से भी बढ़कर, यही संस्कार है तो आगे क्या करेगी? पापा को ये चिंता थी कि पीपल के पेड़ पर से कुत्ते भी चीजें खाते रहते हैं। इतनी गंदगी, इतनी मक्खियां, बच्ची को कोई बीमारी लग गई तो? मां को भी डांट रहे थे, तुम उसे उसकी पसंद का नहीं खाने देती ना, इसलिए तो उसने ये भिखारियों से भी बदतर हरकत की।

मेरे गली के दूसरे बच्चे जो मेरे शैक्षणिक स्तर से हमेशा जलते थे, बड़े खुश थे कि आज आयेगा मजा मैडम बुद्धि माता को डंडे पड़ेंगे जब।

मैं बेचारी अकेली इतने लोगों की भीड़, सब के तेज तलवार से प्रश्न, ऊपर से गर्मी, मां ने तो आते ही दो जड़ दिए, बड़ी मां जैसे और जड़वाने के चक्कर में थी।

'ना छोटी, अभी मत मारो, पहले सारी बात पता कर, क्या पता और भी कहां-कहां से पैसे चुराये हों'। उस दिन की पिटाई से मैं शरीफ़ बच्ची बन गई थी। पीपल के पेड़ पर रखी मिठाई फिर भी मुझे ललचाती थी, पर मैं मुंह फेर के निकल जाती थी।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना इसलिए तो कोई बोला नहीं। मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैंने दादागिरी भी छोड़ दी और नवीन से भी दोस्ती खत्म कर ली थी।

अब मेरी दोस्ती गली के कुत्तों और सांडों तथा गायों से हो गई थी। स्कूल से आने के बाद मैं इन्हीं के साथ खेलती, इन्हीं के साथ भागती। इनके ऊपर रंग से कभी अपना नाम लिखती तो कभी इनका नाम जो मैंने ही रखा था। मेरे एक आवाज लगाते ही मेरे ये दोस्त तुरंत मेरे पास आ जाते थे। गौरी, कजरा, मेरी गाय थी। शेरू छुटकु,कालु और भौंभौं, ये कुत्ते थे। विनायक छोटा बछड़ा था और बब्बर बड़ा और मोटा ताजा सांड था।

डाकौत पंडित की घरवाली अब सुबह शाम पीपल की सफाई करने आती थी। पर सिर्फ शनिवार को।

तंग गलियां धीरे-धीरे और तंग हो गई हैं, क्योंकि लोगों के घर की दहलीजें गलियों तक आ गई हैं। कमरों के ऊपर कमरे बनाकर लोगों ने आसमानी हवा को भी घेर लिया है। आजकल शनिदेव यहां मिठाई खाने भी नहीं आते क्योंकि, पीपल काट कर कई दुकानें बना दी गई हैं, जिनमें एक तो ब्रांडेड मिठाई की भी दुकान है।

मंदिर के ऊपर भी दो मंजिल बन गई हैं, जो शादी-ब्याह में बैंक्वेट हाल का काम करती हैं। तपती चिलचिलाती धूप में कोई शख्स बाहर ही नहीं था तो अपने या अनजान की पहचान कैसे करती। बार-बार गली में झांक रही थी। लग रहा था कि कोई अपना सा अहसास गर्म लूं के साथ आ रहा था। सामने पलट कर दुकानों की चमचमाती भीड़ में से अपनी मीठी गोलियों वाली दुकान तलाशने की कोशिश की, पर जैसे कोई नहीं थी वहां। तुक्के से गली के कोने वाली दुकान पर जाकर मीठी रंग-बिरंगी गोलियां मांगी तो हैरान से दुकानदार ने ब्रांडेड टाफियों का जार मेरी तरफ सरका दिया था।

मैम, शायद आपको ये चाहिए? निरूतर सी मैं एक ठंडी लैमन की बोतल खरीद कर बैग के हवाले करती हूं। मुझे लगभग बीस मिनट हो गए हैं, छुटकु कालू,भौंभौं, शेरू कोई भी नहीं दिखा। गौरी और कजरी तो पीपल के पेड़ के नीचे बैठी रहती थी, पर अब तो वो पीपल भी नहीं था। बब्बर तो धूप में भी ढां-ढां करता घूमता था। वो भी नजर नहीं आया कहां चले गए सब।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना । इसलिए तो कोई बोला नहीं।

मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैं पटरी के पास पहुंच तो गई पर ट्रेन दनदनाती हुई निकल चुकी थी।

कविता
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

मेरे मन की बात

आदमी में इस कदर विष भर गया है।
विषधरों का वंश सारा डर गया है।
कल सुनोगे आदमी के काटने से,
रास्ते में सांप कोई मर गया है।

दुनिया में जिधर देखो नजर आते हैं पत्थर श।
उठ-उठ के एक-दूजे से टकराते हैं पत्थर।
है ख्वाब तो हसीन कि मंदिर में सजेंगे ,
छेनी की चोट से मगर घबराते हैं पत्थर।

चेहरों पर मुस्कान नहीं है, दिल में हिन्दुस्तान नहीं है।
कहने को तो फूल हैं लेकिन खुशबू से पहचान नहीं है। जब-से कट्टरपंथी डायन आन बसी है इस बस्ती में,सब हिन्दू या मुसलमान हैं, कोई भी इन्सान नहीं है।

हवाओं को तो बेशक खल रहा हूँ।
चिराग़ों की तरह मैं जल रहा हूँ।
जिन्होंने राह में कांटे बिछाए,
उन्हें भी साथ लेकर चल रहा हूँ।

कविता
राज ख्यालिया

लहू में डूबी वादियां

लहू में भीगी हर गली, है सरजमीं कश्मीर की,
सिसकती हैं दरख़्त भी, गवाही दें तहरीर की।

न पूछो कैसी आग है, बहारों की ज़मीं पे अब,
हर एक शाख़ पे दिखे है, परछाईं तासीर की।

बग़ावतें न थीं वहाँ, न कोई जुर्म, न इल्तिजा,
मगर भीड़ ने छीन ली, सदा किसी ज़मीर की।

कभी जो गूंजती थी वहाँ, अज़ान, दुआ, मोहब्बतें,
वहाँ अब गूँजती है सदा, किसी शहीद तीर की।

वो माँएँ पूछती हैं अब, कहाँ है मेरा लाल कहो,
नदी भी चुप है आजकल, कहानी एक नीर की।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

नाथ कुंवारी हूं

तू ग़ज़लों का शहज़ादा तो मैं भी राजकुमारी हूँ
तेरे शब्दों के संग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

तुझ पर जीवन साथी मैंने अपना सब कुछ वार दिया
तेरी ख़ातिर हीं तो मैंने गीतों का शृंगार किया
तू मेरी अभिलाषा है और तुझ पर मैं बलिहारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

मेरी ग़ाज़ल ख़्यालों के तुम हो गीतों के शान्त स्वर
जैसे साँझ ढले तारों से बिछा हुआ प्यारा अम्बर
तुम गीतों के पुष्प-सुमन तो मैं उसकी फुलवारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना सजन कुँवारी हूँ

तुझसे होती सुबह शुरू तो तुझसे ही है शाम पिया
तू है जो सँग मेरे तो दुःख भी सुख का नाम पिया
मेरे जीवन का कंचन तू तुझपर सब कुछ हारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना प्रिय कुँवारी हूँ

पाकर तेरा साथ मैंने पाया जीवन का सार है
तुमसे से ही जीवन मे आई ख़ुशियाँ बेशुमार है
तू मेरी ख़ुशियों की चाभी मैं उसकी किलकारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ।

लघुकथा
डॉ. अंजना गर्ग

पार्क में भंडारा

अनु यह बड़े-बड़े लिफाफे उठाकर कहां जा रही है?' सुनीता ने अनु के हाथ में कई लिफाफे देख कर पूछा।

' पार्क में कुछ लोगों के द्वारा रोज भंडारा लगाया जाता है। वहीं पर जा रही हूं।' '

तो इनमे प्रसाद लेकर आएगी।' सुनीता ने लिफाफो को लगभग घूरते हुए सी पूछा।'

नहीं प्रसाद का तो एक कण लेती हूं हाथ पर ही।'

' तो इनका क्या करेगी?'

' लोग खा खा कर इधर-उधर प्लेट्स डाल देते हैं। उड़-उड़ कर लोगों के घरों के दरवाजो तक आ जाती है। पार्क इतना गंदा हो जाता है कि लोग सैर नहीं कर पाते। बच्चे खेल नहीं पाते। कुत्ते प्लेट्स को चाटने आ जाते हैं। फिर तुम्हें पता है यहां तो बंदर भी अपना कोहराम मचाते हैं।'

' तो स्वीपर किस लिए है ? कर देगा सारी साफ सफाई। यह उनका ही काम है।' सुनीता ने मुंह बना कर कहा।

' वो सुबह एक बार सफाई कर जाता है। सारा दिन तो नहीं करेगा।'

' तो तू इन लिफाफों का क्या करने जा रही है?

' बस कुछ खास नहीं। भंडारा समाप्त होने पर सारी प्लेट्स उठा उठा कर इनमें भर लेती हूं। पास में ही डंपिंग ग्राउंड है वहां डाल आती हूं।' अनु ने मुस्कुराते हुए कहा।

' तेरे घर में सफाई करने मेड आती है और तू वहां सफाई करने जा रही है।'

' यही तो सुनीता हमारी सोच है कि गरीब का काम है सफाई करना। अमीर का काम है दान पुण्य करना।' अनु ने उस की ओर देखते हुए कहा।' हां तो ठीक है ना, जिसके पास पैसा नहीं वह सफाई कर दे।' सुनीता ने हाथ मटकते हुए कहा।' और हम पैसे वाले गंद डालकर, घर आकर बैठ जाए।' ' आखिर क्या कहना चाहती हो तुम अनु- ---'

' यही कि दान पुण्य से ज्यादा जरूरी है इस धरा की साफ सफाई जिसको हम सब धरती मां तो कहते हैं पर इसको हम इतना प्रदूषित कर रहे हैं कि पृथ्वी के कणों की सांस भी रुक गई।' ' पर तेरे अकेले के करने से क्या होगा? सुनीता ने अनु की तरफ लापरवाही से प्रश्न उछाला।' यूंही कारवां बनता है।' कहती हुई अनु पार्क की ओर बढ़ चली। अनु के शब्दों में पता नहीं क्या जादू था कि सुनीता भी पीछे-पीछे हो ली ।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कवयित्री एवं लेखिका अनामिका वालिया का कहना है कि आज भी साहित्यिक लेखन प्रगति पर है और नई युवा पीढ़ी भी साहित्य क्षेत्र में बेहतर लेखन कर रही है, जिससे कहा जा सकता है कि साहित्य बेहतर स्थिति में है। हालांकि सोशल मीडिया के माध्यम से साहित्य लेखन ज्यादा बढ़ा है। इससे भी युवा पीढ़ी साहित्य के प्रति आकर्षित हो रही है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

समाज को नई दिशा देता है साहित्य : अनामिका वालिया

हिन्दी साहित्य के संवर्धन के लिए लेखक अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में कवयित्री अनामिका वालिया भी सामाजिक सरोकारों के मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। देशभक्ति और समाज में महिलाओं के मुद्दे पर भी कविताओं का लेखन और मंच से समाज को सकारात्मक संदेश देते हुए उन्होंने परिवार से मिली विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

शिक्षाविद्, लेखिका एवं कवयित्री अनामिका वालिया शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत करते हुए कुछ ऐसे पहलुओं का भी जिक्र किया है, जिसमें उनका मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण होता है। महिला साहित्यकार अनामिका वालिया का जन्म 19 मई 1989 को जिला कैथल में देशबंधु वालिया और दमयंती वालिया के घर में हुआ। उनके नाना स्वर्गीय रमेश चंद्र ने आज़ाद हिंद फौज के सेनानी के रूप में और उसके बाद सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की। इसलिए देशभक्ति और देश प्रेम भी विरासत में मिला। जबकि मामा स्वर्गीय अमरजीत अहलूवालिया कविता लेखन किया करते थे, तो उन्हें साहित्यिक माहौल मिलने के कारण बचपन में कविता लेखन में रुचि पैदा हुई। शायद यही कारण है कि उन्होंने 13-14 वर्ष की आयु से कविता लेखन शुरू कर दिया था। पहली कविता साहित्य सभा कैथल के मंच से चौदह वर्ष की आयु में पढ़ी जहां वह अपने पिता के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। इतनी कम उम्र में कविता लिखने और उसके पाठन पर सभी हैरान रहे।

अनामिका की प्रारंभिक शिक्षा कैथल और उच्च शिक्षा अंबाला शहर से पूरी हुई। अंबाला के एमडीएसडी कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ग्रेजुएशन की परीक्षा में पूरे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में द्वितीय व अंबाला ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उन्हें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता में नेशनल यूथ फेस्टिवल में पूरे उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। साल 2014 से शिक्षा विभाग हरियाणा में अंग्रेजी लेक्चरर के तौर पर अपनी सेवाएं देना प्रारंभ किया। एक शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित विभिन्न नाटकों का लेखन एवं निर्देशन भी किया, जो राज्य स्तर पर प्रथम स्थान के लिए शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। साल 2018 में हरियाणा के यमुनानगर ज़िले में इनका विवाह हुआ। परिवार और दो जुड़वां बेटियों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए साहित्यिक सफर को आगे बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन परिवार के सहयोग और साहित्य के प्रति अपने समर्पण से अपने इस सफर को निरंतर जारी रखा। वर्तमान में अपने परिवार के साथ यमुना नगर में रहकर अध्यापन और साहित्य सेवा कर रही हैं। उनकी साहित्यिक गतिविधियों को परिवार के लोगों का प्रोत्साहन भी अहम रहा है। उन्होंने अपनी कविताओं के लेखन में देश, समाज और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया है। वहीं उन्होंने सैनिकों के शौर्य का जयगान तो कभी राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविताओं को भी साहित्य मंच पर उतारा है। उनकी एक प्रसिद्ध रचना 'बेटियां मैदान में उतार दूं' स्कूल कॉलेज की बच्चियों को इतनी पसंद आई कि विभिन्न प्रतियोगियों में उन्होंने इसे प्रस्तुत किया और पुरस्कार प्राप्त किए। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ करना प्रारंभ किया और देश के अनेक प्रतिष्ठित न्यूज चैनलों पर काव्यपाठ किया है। इनका कहना है कि साहित्य जगत में एक बात आहत करने वाली है, कि साहित्यिक मंचों पर कविताओं के नाम पर चुटकले और अश्लीलता परोसी जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना जरुरी है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, इसलिए साहित्यकारों और लेखकों को युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति प्रेरित करने वाला साहित्य सृजन करने की जरुरत है, ताकि समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सके। मसलन विशुद्ध साहित्य की रचना बेहद जरूरी है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला कवयित्री एवं शिक्षिका अनामिका वालिया ने अल्प आयु में ही कविताओं का लेखन शुरू कर दिया था और वीर रस की कविताओं के संकलन के रूप में 2014 में इनकी पहली काव्य पुस्तक 'एक और इंकलाब' पाठकों के सामने आई। उनकी इस प्रकाशित पुस्तक में देश प्रेम और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कविताओं को समायोजित किया गया है। इसके अलावा उनकी रचनाएं विभिन्न समाचार पत्र व पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं।

अनामिका वालिया

पुरस्कार व सम्मान

अनामिका वालिया को हरियाणा सरकार गोल्ड मेडल से सम्मानित कर चुकी है। साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारायणी फाउंडेशन के रूपा राजपूत सम्मान, रोटरी क्लब के ऑनरेरी मेंबर सम्मान मिला है। भारत विकास परिषद अंबाला शहर और पंचनद शोध संस्थान यमुना नगर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें देश व विभिन्न राज्यों की साहित्यिक एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा काव्य मंचों से अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : अनामिका वालिया
जन्मतिथि : 19 मई 1989
जन्म स्थान : कैथल, (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी)
संप्रति : लेक्चरार (शिक्षा विभाग हरियाणा), लेखक एवं कवियत्री

बच्चों में समाज सेवा के रंग भरता 'नाचू के रंग'

पुस्तक : नाचू के रंग
लेखक : गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपये
प्रकाशक : पंचशील प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शर्मा 1971 से निरंतर बाल साहित्य की रचना करते आ रहे हैं। बाल साहित्य की उनकी पचास से अधिक पुस्तकें अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। 'नाचू के रंग' नया उपन्यास अब पाठकों के हाथों में है।

उपन्यास के नायक बालक नाचू के माध्यम से लेखक ने बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों को भी सामाजिक सरोकारों के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने का संदेश दिया है। बालक नाचू जो चित्रकार है अपनी ब्रुश और रंग के जरिये ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाता है। इस उपन्यास में लेखक ने मनोरंजन के साथ-साथ सीख भी दी है। नाचू जो अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस रखता है और साथ ही दूसरों की मदद भी करता है।

उपन्यास में नाचू का पेंटिंग का शौक किस तरह से चोर और डाकुओं को पकड़वाने में मदद करता है यह समाज के प्रति उसके दायित्व का दिखाता है। एक बार वह विज्ञापन के कटाउट पर चौकीदार का चित्र बना देता है और उससे डरकर चोर को पकड़ लिया जाता है। नाचू जब अपने साथियों के साथ जंगल में डाकुओं को देखते हैं और उन्हें डाकुओं द्वारा छिपाया हुआ खजाना मिल जाता है तो नाचू किस तरह से सूझबूझ का परिचय देते हुए बक्से का रंग बदलकर खजाने को गांव में लाकर पुलिस के हवाले करते हैं तो यह इस बात का संदेश देती है कि इंसान को विपरीत परिस्थितयों में भी धैर्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। नाचू के रंग ब्रुश की सफलता इस बात में कही जा सकती है कि उसने सफाई का संदेश देते चित्र बनाकर सवाल उठाया तो डंपिंग स्टेशन बनी जगह पर लोगों ने कूड़ा डालना बंद कर दिया। इसके साथ ही नाचू के रंग के बाल नायक के माध्यम से लेखक ने पौधरोपण का भी सफल संदेश दिया है।

बाल उपन्यास समाज की सभी छोटी बड़ी समस्याओं को उजागर करता हुआ और उनके समाधान प्रस्तुत करता नजर आता है और वह भी पूरे मनोरंजक तरीके से। उपन्यास इतना रोचक है कि पाठक एक बार में ही पूरा पढ़ जाता है।

लेखक गोविंद शर्मा के उपन्यास की भाषा सहज और सरल है। शीर्षक को साकार करते उपन्यास का कवर भी सुंदर बन पड़ा है। कुल मिलाकर नाचू के रंग उपन्यास सामाजिक सरोकारों के रंगों से सराबोर है। लेखक इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। शोक सभा में उपस्थित सदस्य। फोटो: हरिभूमि

पतराम यादव की स्मृति में शोक सभा आयोजित

महेंद्रगढ़। श्री रामलीला परिषद के सह प्रबंधक पतराम यादव की स्मृति में परिषद प्रांगण में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में परिषद के सदस्यों सहित नगर के अनेक लोग उपस्थित रहे। शोक सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्व. पतराम यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। परिषद कार्यकारी प्रधान अमित मिश्रा ने कहा कि पतराम यादव समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का बखूबी निर्वहन करते थे।

गणेश कॉलोनी में बंद मकान में चोरी

नारनौल। शहर में चोरों ने एक बंद मकान में सेंधमारी की है। 50 हजार नकद और लाखों के आभूषण चोरी किए हैं। पुलिस को दी शिकायत में गणेश कॉलोनी वासी राजेंद्र कुमार ने बताया कि वह गणेश कॉलोनी में रहता है। वह तथा उसका परिवार छोटे पुत्र अमित के पास छुट्टियों में नोएडा चले गये थे। इस दौरान घर पर ताला लगा था। शनिवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे उसके पास पडोसी कर्ण सिंह का फोन आया और कहा कि आपके घर का मेन गेट खुला हुआ है। इस पर उसने उसको कहा कि परिवार तो नोएडा में है। आप एक बार घर जाकर देखो। उसने देखकर कहा कि आपके घर सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा है। इस पर भाई रवि को फोन किया और पूरी बात बताई। फिर डायल 112 पर फोन किया। वह शाम को करीब 3 बजे घर पहुंच गया। घर के सोना- चांदी की जेवर व कैश लगभग 50 हजार रुपये और एक टाइटन की घड़ी गायब थी। इसके अलावा गहने और अन्य सामान चोरी हो गया था।

योजनाओं के बारे में जानकारी दी

किसानों को दी बारानी खेती में उत्पादकता बढ़ाने के उपाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तीन टीम का गठन कर विकसित कृषि संकल्प अभियान के 11वें दिन भी जारी रहा। टीम गांव खातोद, बुडीन, बलायचा, सुरेहती पिलानिया, सुरेहती जाखल, सुरेहती मोडियान, मानपुरा, मोड़ी, भोजावास गांव का दौरा किया। टीम-एक का नेतृत्व जिला विस्तार विशेषज्ञ (पौध रोग) डॉ. नरेंद्र यादव व जिला विस्तार विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) ने बारानी खेती में उत्पादकता बढ़ाने के उपाय बताया। उन्होंने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कम पानी व कम समय में पकने वाली बाजरा कि किस्म एचएचबी:67 (संशोधित), एचएचबी:272, एचएचबी:234, मूंग की किस्म एमएच 421, ग्वार की किस्म एचजी:365, एचजी 2-20, एचजी 563, तिल की किस्म एचटी एक, एचटी दो आदि के बारे में जानकारी दी। टीम-दो का नेतृत्व कर जिला विस्तार विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान) डॉ. राजपाल यादव ने बताया कि कल्लर भूमि के सुधार के लिए मिट्टी जांच के अनुसार जिप्सम का प्रयोग करें। उन्होंने केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा विकसित किस्मों के बारे में बताया। टीम-तीन का नेतृत्व जिला विस्तार विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डॉ. आशीष शिवरान ने किसानों को बाजरा की बायोफोर्टिफाइड संकर किस्म एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन किस्मों में लौह तत्व की मात्रा अधिक होती हैं। इस अवसर पर संबंधित गांव के सरपंच मुख्यातिथि रहे। किसानों ने विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम की सराहना की और इस कार्यक्रम को शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को धन्यवाद दिया। इस मौके पर पशु पालन व डेयरी विभाग से डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. विनेश कुमार, डॉ. राजपाल, डॉ. अंबिका कुमारी, डॉ. रोहित कुमार, हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र रिवासा से डॉ. योगेंद्र यादव ने ग्रामीण युवाओं को दुग्ध क्षेत्र में नवाचार और स्टार्टअप की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सरकार की स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत योजनाओं के अंतर्गत दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना पर अनुदान, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकीय सहायता मिल रही है। कार्यक्रम के

महेंद्रगढ़। किसानों को जानकारी देते विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

श्रीकृष्ण-रुकमणी विवाह की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

बचपन प्ले स्कूल में भागवत धर्म सेवा परिवार के तत्वावधान में चल रहे सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण, महारुद्राभिषेक एवं श्रीमद्भागवत महापुराण कथा महोत्सव के दौरान आचार्य गौरव दीक्षित महाराज के द्वारा कथा के छठे दिन रूकमणी मंगल (श्रीकृष्ण-रूकमणी विवाह) की कथा सुनाई गई। इस दौरान प्रवक्ता अमरसिंह सोनी के निर्देशन में बनाई गई श्री कृष्ण-रुकमणी विवाह की झांकी आकर्षक रही, जिसकी सभी भक्तों ने खूब सराहना की। कार्यक्रम के मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव रहें, जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण-रूकमणी को तिलक करके गुरु से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा के यजमान राजीव सैनी एवं अंजली सपरिवार थे महारूद्राभिषेक भी करवाया। श्रीमद्भागवत कथा आयोजक चेयरमैन रमेश सैनी एवं कथा प्रबंधक मुकेश मेहता ने बताया कि सोमवार को प्रातः आठ बजे यज्ञ से कार्यक्रम का समापन समारोह मनाया जाएगा। आचार्य गौरव के द्वारा एक से 14 मुखी तक रुद्राक्ष प्रसाद स्वरूप भेंट किए जाएंगे।

महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो: हरिभूमि

खासपुर में चलाया विशेष स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान

नारनौल। गांव खासपुर में पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली, जब टीम ममाज ने श्रीशनि शक्ति धाम और स्पोर्ट्स क्लब परिसर में विशेष स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान चलाया। इस अभियान में बॉबी देहरान, यशवीर, पप्पू, सचिन, विनोद शर्मा, अजय और अमरजीत सहित कई उत्साही युवाओं ने भाग लिया। टीम द्वारा मंदिर प्रांगण की सफाई के साथ-साथ पौधों में जल सिंचन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। श्री शनि शक्ति धाम के शांत वातावरण में जब टीम ने मिलकर श्रमदान किया तो ग्रामीणों को भी प्रेरणा मिली कि हम सभी को अपने धर्मस्थलों और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता का दायित्व खुद उठाना चाहिए। इस अभियान को मिशन महेंद्रगढ़-अपना जल के संयोजक डॉ. जयकृष्ण आभीर का सतत मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। डॉ. आभीर न केवल जल संरक्षण व पर्यावरण चेतना के प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं, बल्कि वे निरंतर युवाओं को जागरूक करने का कार्य भी कर रहे हैं।

कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का 12 जुलाई को

कनीना। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन नरेंद्र सूरा के दिशानिर्देशन में आगामी 12 जुलाई एसडीजेएम कोर्ट कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी बार एसोसिएशन कनीना के प्रधान मंजीत यादव ने देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से परिवादों का निपटान किया जायगा। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में वैवाहिक पारिवारिक विवाद, अपराधिक मामले जो की मिश्रित हों, भूमि अधिग्रहण, बैंक रिकवरी, पेंशन,उपभोक्ता शिकायत मामले, बिजली मामले, टेलीफोन बिल विवाद, अन्य दीवानी मामले जैसे विभाजन, कब्जे के मामले से संबंधित, किराया संबंधी मामले, इजमेंट्री का अधिकार व कॉन्ट्रैक्टस संबंधी केसों की सुनवाई कर निपटान किया जाएगा।

असहाय सेवा संस्थान ने लगाई गोसवामणि

हरिभूमि न्यूज नारनौल

श्री गौ गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान की ओर से आचार्य बजरंग शास्त्री जी के सानिध्य में श्रीगोपाल गौशाला में गौ पूजन कर गौ सवामणी का आयोजन किया गया। संस्था के प्रधान महेंद्र नूनीवाला ने बताया कि हिंदू धर्म में गाय को मां के समान माना गया है। जिनकी सेवा करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पुराणों के अनुसार गाय के शरीर में तीनों लोक के देवी-देवता निवस करते हैं। यही कारण है कि भगवान श्रीकृष्ण को गाय से बहुत ज्यादा लगाव था। मान्यता है कि जिस स्थान पर गाय रहती है, वहां नकारात्मक उर्जा फटक भी नहीं पाती है और उस स्थान के सभी दोष दूर हो जाते हैं। सनातन परंपरा में गाय से जुड़ी सभी चीजें जैसे दूध, दही, घी, गोमूत्र, गोबर आदि का पूजा के लिए प्रयोग अत्यंत ही शुभ माना गया है। इस अवसर पर पं. मनीष शास्त्री ने बताया कि गाय की पूजा एवं सेवा का न सिर्फ धार्मिक बल्कि ज्योतिषीय महत्व भी है। ज्योतिष के अनुसार जीवन से जुड़े नवग्रहों की शांति के लिए गोपूजा और गोसवा अत्यंत ही लाभदायी मानी गई है। ज्योतिष के अनुसार कुंडली में स्थित ग्रहों के दोष के अनुसार ही व्यक्ति को गाय की सेवा और पूजा करनी चाहिए। जैसे यदि आपकी कुंडली में मंगल से संबंधित दोष है तो आपको लाल रंग की और शनि संबंधी दोष है तो काली रंग की गाय की पूजा एवं सेवा करनी चाहिए। वास्तु के अनुसार जिस घर में गाय होती है, उस घर से जुड़े सभी वास्तु दोष का शमन हो जाता है। मुख्य यजमान राकेश यादव, मदन लाल शर्मा सरला शर्मा, जितेंद्र महत्ता काजल महत्ता एवं संस्था के सभी सदस्यों के द्वारा श्रीगणेश जी, नवग्रह सहित देवी देवताओं का गौ पूजन करवाया।

नारनौल। गौ सवामणी में हिस्सा लेते गौभक्त। फोटो :हरिभूमि

गोसेवा से श्रमिक अल्पाहार तक विविध सेवा कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। भारत विकास परिषद् नारनौल शाखा के तत्वावधान में रविवार एक दिवसीय सेवा कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया गया। जिसमें समाजसेवा की उत्कृष्ट मिसाल पेश की गई। परिषद् ने गौ सेवा, श्रमिक सेवा और सामुदायिक कल्याण के उद्देश्यों को एक साथ साकार किया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री गोपाल गौशाला में समाजसेवी अरुण नूनीवाला और दीपक शर्मा (श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के सचिव केके शर्मा) के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में की गई। जहां गौ माताओं के लिए हरी सब्ज़ी और हरे चारे की विशेष व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त रोशन लाल जैन (खंडेला) की ओर से भी पशु आहार 'खल' उपलब्ध कराया गया। सेवा कार्यक्रमों की अगली कड़ी में भगवान परशुराम चौक स्थित आनंद रसोई पर 300 श्रमिकों को पौष्टिक अल्पाहार वितरित किया गया। इस अवसर पर राजकुमार यादव, सचिव मुकेश जैन, कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, सेवा प्रकल्प संयोजक पवन यादव, प्रकल्प संयोजक डॉ. संजय शर्मा, बजरंग लाल गुप्ता, दिनेश शर्मा, नीरज अग्रवाल, डॉ. शिव कुमार, सुभाष सिंगला, धीरज भयाना, अनिल गुप्ता, पवन अरोड़ा, भगत सैनी, नरोत्तम सोनी और मोहित चौधरी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

कैंप का उद्देश्य बहुभाषिकता को बढ़ावा देना

■ ताजपुर में सात दिवसीय भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ताजपुर में भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन के तहत सात दिवसीय शिविर रविवार को सम्पन्न हो गया। इसकी अध्यक्षता प्रिंसिपल सतबीर सिंह की। समर कैंप का समापन कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता राजेश यादव आरएसओ ने किया।

उनको कहा कि भारतीय भाषा समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में बहुभाषिकता को बढ़ावा देना है। बच्चों को मजेदार और सिखाने वाली गतिविधि में शामिल करके गर्मियों की छुट्टियों को यादगार बनाना है। पहले दिन की गतिविधि में प्रवक्ता अंजूलता एव मंजीत ने नमस्ते करने का तारिका, कुछ बुनियादी अभिवादन, अभिव्यक्ति, अक्षर, संख्या और हस्ताक्षर करना सिखाया गया। दूसरे दिन प्रवक्ता कुसुम यादव एव मिनाक्षी ने वर्चुअल अमृतसर स्वर्ण मंदिर व अन्य स्थानों का भ्रमण व मूल जीवन संवाद का अभ्यास कराया गया।

नारनौल। शिविर के समापन पर विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

भाषा और संस्कृति सिक्के के दो पहलू: डॉ. सीएस वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना के तत्वावधान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिहाली में आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा कैंप का रविवार को समापन हो गया। कैंप समापन अवसर पर भाषाविद डॉ. सीएस वर्मा प्रभाकर ने विशिष्ट वक्ता के रूप में शिरकत की। प्राचार्य सुनिल कुमार ने कहा कि यह कैंप छात्रों के लिए एक अद्वितीय अवसर रहा, जिसमें उन्होंने विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों का अनुभव किया। डॉ. सीएस वर्मा प्रभाकर ने कहा कि भाषा और संस्कृति सिक्के के दो पहलू हैं, जिनका आपस में गहरा संबंध है। भाषा न केवल हमारी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने का माध्यम है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और विरासत को भी दर्शाती है। हम विभिन्न भाषाओं का अध्ययन करते हैं तो हम उस भाषा के साथ उसके पीछे की संस्कृति और इतिहास को भी समझते हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे विभिन्न भाषाओं का अध्ययन करते हुए अपनी संस्कृति और विरासत को संजोए रखें।

मंडी अटेली। सात दिवसीय भाषा कैंप के समापन पर छात्रों के साथ स्कूल स्टाफ।

जजपा नेताओं ने देवीलाल को श्रद्धांजलि अर्पित की

नारनौल। रविवार को जजपा के नवनियुक्ति हल्का प्रधानों को लेकर पार्टी के जिला प्रधान व अन्य पदाधिकारियों द्वारा सिंघाना रोड स्थित पार्टी कार्यालय में उनका स्वागत किया गया। जहां जजपा के जिला प्रधान राजकुमार खातोद द्वारा उनको जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके उपरांत जजपा के जिला प्रधान राजकुमार खातोद, विनोद यादव भील व अन्य निजामपुर पहुंचे।

आरपीएस की सरिता का असि. डायरेक्टर के पद पर चयन

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय की छात्रा सरिता यादव ने इंडियन पोस्ट अकाउंट सर्विस यूपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा में चयनित होकर असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर नियुक्ति पाई है। छात्रा की इस उपलब्धि ने न केवल अपने विद्यालय, अपितु पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। छात्रा की इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, सीईओ कुणाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने छात्रा सरिता यादव व उनके माता-पिता के साथ-साथ शिक्षकों को बधाई दी। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आज आरपीएस के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। यह सब अभिभावकों के विश्वास का ही परिणाम है। आरपीएस बच्चों को उचित मंच प्रदान कर उन्हें उनके लक्ष्य के मार्ग में आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। सीईओ इंजी. मनीष राव व डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि विद्यालय में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी उचित मंच प्रदान किया जाता है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि यह सब सरिता यादव के कठिन प्रयासों का परिणाम है। कॉमर्स विभाग के एचओडी शिव कौशिक ने बताया कि सरिता 2015 के बैच में 12वीं कक्षा पास की थी।

■ ग्रुप की चेयरपर्सन ने दात्रा व परिजनों दी बधाई

समाज बदलने में शिक्षा की अहम भूमिका: धर्मपाल

हरिभूमि न्यूज नारनौल

भारत सरकार व शिक्षा विभाग के आदेशानुसार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोरियावास में चल रहे समर–कम–फन कैंप का आज अंतिम दिन था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव धर्मपाल शर्मा मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएमसी प्रधान संतोष कुमार यादव ने की। मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र प्रवक्ता संजय शर्मा उपस्थित रहे। सबसे पहले कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्य अतिथि धर्मपाल शर्मा का विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि धर्मपाल शर्मा ने कहा कि समाज को बदलने के लिए शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह बच्चों को एक जिम्मेदार और विवेकशील नागरिक के रूप में विकसित होने का अवसर प्रदान करती है। मुख्य विषय मोटिवेशन पर बोलते हुए मुख्य वक्ता समाजशास्त्र प्रवक्ता संजय शर्मा ने बच्चों को मोटिवेशन का अर्थ, जीवन में इसके उपयोग व विद्यार्थियों के लिए इसकी आवश्यकता को विस्तार से बताया। एसएमसी प्रधान संतोष कुमार ने भारत की वीरांगनाओं के बारे में जानकारी दी। इस समर कैंप मे पहले बच्चों को विभिन्न प्रकार के इंडोर खेल खिलाए गए। सभी बच्चों ने शिविर में खेल-खेल में अनेक बातें सीखी। अंत में समर कैंप की संयोजक हिंदी प्रवक्ता संतोष कुमारी ने विद्यालय मेंसभी अतिथियों का आभार जताया।

नारनौल। कोरियावास स्कूल में समर कैंप समापन पर विद्यार्थी एवं अध्यापकगण

लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिविर का समापन

लड़कियों ने सेल्फ डिफेंस, योग, जूडो, कराटे के गुर सीखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

आर्य समाज नांगल चौधरी की ओर से गांव भुंगारका के श्रीकृष्ण स्कूल में लड़कियों को आत्म निर्भर बनाने के लिए चल रहा सात दिवसीय आर्य वीरांगना निर्माण एवं सुरक्षात्मक शिविर का रविवार समापन हो गया। इस शिविर में 72 वीरांगनाओं ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने बौद्धिक शिक्षण के अलावा सेल्फ डिफेंस, योग, जूडो, कराटे, सैनिक शिक्षा, व्यायाम के टिप्स हासिल किए। कार्यक्रम के दौरान स्वामी हंसानंद हंस सरस्वती ने कहा कि हम निरंतर अखबारों में व समाज में पाखण्ड और समाज तोड़ने की तथा युवतियों के लापता होने की। जिससे पुलिस को, मां-बाप को, रिस्तेदारों को चिंता हो जाती है। इसलिए आज युवा पीढ़ी का निर्माण का कार्य केवल मात्र आर्य समाज ही कर सकती है। जहां क्रांतिकारी युवतिया व युवक समाज व राष्ट्र के लिए कार्य करते है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के महामंत्री उमेश शर्मा ने अपने संबोधन में भाई परमानंद व रामरखी का उदाहरण पेश करके लोगों को भावुक कर दिया है। जगमाल सिंह डीपीई ने इस शिविर में आर्य वीरांगनाओं को महाराणा प्रताप की चंपा से जोड़कर संबोधन किया। इस शिविर में आर्य वीरांगनाओं ने महर्षि दयानन्द के जीवन को नजदीक से जानने का प्रयास किया। शिविरार्थियों ने समय पर उठने, माता-पिता का सम्मान करने की एवं व्यायाम, गायत्री जप, यज्ञ करने का भी संकल्प लिया।

नांगल चौधरी। शिविर के समापन पर प्रतिभा दिखाती छात्राएं।

मनुमुक्त ट्रस्ट ने पर्यावरण-केंद्रित दोहा-सम्मेलन आयोजित किया

नारनौल। मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा द्वारा एक विशिष्ट पर्यावरण-केंद्रित दोहा-सम्मेलन का आयोजन हुडा सेक्टर स्थित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र मनुमुक्त भवन में रविवार को किया गया। उद्योग प्रसार अधिकारी डॉ. सुनील भारद्वाज द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-गीत के उपरांत डॉ. पंकज गौड़ के कुशल संचालन में संपन्न हुए इस सम्मेलन में संजय पाठक (अलवर), धर्मपाल 'धर्म' (नीमराना), राजपालसिंह गुलिया (झज्जर), राजेश भुलक्कड़ (रेवाड़ी), रघुविंद्र यादव, डॉ. छतरसिंह वर्मा (मंडी अटेली), डॉ. रामनिवास 'मानव', डॉ. जितेंद्र भारद्वाज और डॉ. सुनील भारद्वाज (नारनौल) सहित अनेक वरिष्ठ दोहाकारों ने पर्यावरण-केंद्रित दोहा-पाठ किया, वहीं डॉ. पंकज गौड़, ओशिन शुक्ला और स्वतंत्र विपुल (नारनौल) ने कविताएं प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी (राजस्थान) के उपकुलपति डॉ. पवन त्रिपाठी ने हिंदी-दोहे को कबीर, तुलसी, बिहारी और रहीम की परंपरा का वाहक बताते हुए कहा कि दोहा जनजीवन और संस्कृति से जुड़ा लोकप्रिय छंद है, जो आज भी अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है। इससे पूर्व, विषय-प्रवर्तन करते हुए, डॉ. रामनिवास 'मानव' ने स्पष्ट किया कि दोहा भक्तिकाल में रामबाण बनकर और रीतिकाल में कामबाण बनकर चला, तो आधुनिक काल में अग्नि-बाण बनकर चल रहा है।

सम्मन इश्तिहार/कोर्ट नोटिस

न्यायालय श्री रमेश चन्द्र बिधान, भा.प्र.से. आयुक्त, गुरुग्राम मण्डल, गुरुग्राम।

केस नं०:- ई०आर० 139/2005
तारीख दायरा 12-09-2005
तारीख पेशी: 20-06-2025

केस अनुवान :- बाबुलाल व अन्य बनाम जोगेन्द्र व अन्य।

सम्मन बनाम :- 5. राजपाल मृतक बजरिये एन आर एस 5ऐ. कृष्णा विधवा व 5बी. अशोक कुमार 5सी. संदीप पुत्रान राजपाल सिंह पुत्र गणेशीलाल, 6. मंगल मृतक बजरिये एल आर एस 6ऐ. दीपक सिंह 6 बी. करतार सिंह पुत्रान मंगल पुत्र चुन्ना 6सी. अजीत सिंह पुत्र महाबीर व 6डी. पुजा पुत्री महाबीर 6ई. कृष्णा विधवा महाबीर पुत्र मंगल 7. मातादीन मृतक बजरिये एल आर एस 7ऐ. विक्रम पुत्र मातादीन /बी. तेजसिंह पुत्र व 7सी. सुनीता पुत्री विजय पुत्र मातादीन 8. श्रीमती अनारकली मृतक बजरिये एल आर एस 8ऐ. अजय कुमार व 8 बी. अश्विनी कुमार पुत्रान अनारली पुत्री मामन 9. सतपाल पुत्र व 10. श्रीमति अनीता पुत्री शेर सिंह पुत्र मामन, 13. जयदयाल मृतक बजरिये एल आर एस 13ऐ. प्रेमलता विधवा 13बी. विनय पुत्र व 13सी. प्रेमलता 13डी. मोनिका 13ई. बब्ली 13 एफ, सरीता 13 जी. पुनम 13एच. पुजा पुत्रीयान जयदयाल उर्फ जयपाल पुत्र शिवसिंह, 14. श्रीमति रामकला 15. संजाकला पुत्रीयान शिवसिंह 16. राजकुमार पुत्र व 17. सारली 18. सुशीला 19. शकुन्तला पुत्रीयान चन्दगी पुत्र लेखु 20. छोटू मृतक बजरिये एल आर एस 20ऐ. प्रवीण कुमार 20बी. सतीश कुमार 20सी. कृष्ण कुमार पुत्रान अभय सिंह पुत्र चन्दगीराम व 20डी. राजदेव 20ई. बाबुलाल 20एफ. प्रेमचन्द पुत्रान चन्दगीराम पुत्र लेखु, निवासीगण ढाणा तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ।

आपको बजरिये कोर्ट नोटिस सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मुकदमा में बाबुलाल वगैरा ने उपमण्डल अधिकारी (ना०) साधिकार कलैक्टर, महेन्द्रगढ़ के आदेश दिनांक 16-03-2005 के विरूद्ध इस न्यायालय में हरियाणा भू-राजस्व अधिनियम, 1887 की धारा 16 के तहत निगरानी दायर की है जिसमें आप प्रतिवादी पक्ष है। इस मुकदमें में तारीख पेशी 20-06-2025 स्थान मिनी सचिवालय, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) निश्चित है। यदि आप स्वयं या आप्का वकील अथवा कोई ऐसा व्यक्ति जो आपकी ओर से इस मुकदमें में कानूनी जबाब सवाल करने का अधिकार रखता हो, उपस्थित न होगा तो इस केस की सुनवाई आप की अनुपस्थिति में एकतरफा की जायेगी। यह स्पष्ट किया जाता है कि इस न्यायालय में उपस्थिति का समय प्रातः 09-00 बजे का है। यदि निश्चित तिथि पर इस न्यायालय द्वारा इस केस में कोई आदेश न हो तो आपको चाहिए कि अगला आदेश होने से पहले तक या किसी दूसरे कारणवश आपको सूचना न मिले तो उपस्थित रहो। यह भी सूचित किया जाता है कि इस मुकदमें में यदि आपने कोई वकील मुकर्रर करना हो तो आप को चाहिए कि निश्चित पेशी से कम से कम दो दिन पहले मुकर्रर करें। इसके पश्चात आप के वकील को इस मिसल को देखने का अधिकार न होगा।

आज दिनांक 28.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर सहित जारी किया गया।

हस्ता/-आयुक्त, गुरूग्राम मण्डल।

तीन दशक से अटका बुढ़वाल नहर का निर्माण शुरू, राजस्थान से सटे इलाके में पहुंचेगा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से पिछले तीन दशक से अटका पड़ा बुढवाल सब माइनर का कार्य अब शुरू हो गया है। अंतिम टेल तक पानी पहुंचाने की यह हरियाणा सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल, बुढवाल सब माइनर के निर्माण का कार्य 1995 के बाद से अटका हुआ था। जिला प्रशासन और सरकार के लगातार प्रयास से अब यह कार्य सिरे चढ़ा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री लगातार चंडीगढ़ में बैठकर इस मामले को फोलो अप करते रहे और आखिरकार यह कार्य शुरू हो गया। पिछले माह भी उन्होंने इस संबंध में सिंचाई विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाकर इस मामले को जल्द सिरे चढ़ाने के निर्देश दिए थे।

1990 में की थी भूमि अधिग्रहण

सिंचाई विभाग के जवाहर लाल नेहरू जल सेवाएं परिमंडल नारनौल के तहत आने वाले महेंद्रगढ़ जल सेवाएं मंडल नारनौल के अधीन नांगल चौधरी क्षेत्र की महत्वपूर्ण नोलपुर नहर के किलोमीटर 27.142 के दाएं तरफ से दताल माइनर निकलती है। दताल माइनर के किलोमीटर 2.150 के बाएं तरफ से बुढवाल सब माइनर निकलती है। इस बुढवाल सब माइनर के निर्माण के लिए मार्च 1990 व मई 1990 में सैक्सन 4 व 6 के तहत भूमि अधिग्रहण की गई थी। इसके बाद मई 1992 में अवार्ड घोषित किया गया था।

नहर का बकाया कार्य प्रारंभ कर दिया : उपायुक्त

उसके बाद विभाग ने उपायुक्त डॉ विवेक भारती से अनुरोध करके इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करवाकर 28 मई 2025 को सरकारी मशीनरी व शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विवादित जमीन पर अपना कब्जा ले लिया। इसकी पैमाइश पांच जून 2025 को पूर्ण करके नहर का बकाया कार्य प्रारंभ कर दिया है।

सैकड़ों एकड़ रकबा में होगी सिंचाई

सिंचाई विभाग के एसई राजेश खत्री ने बताया कि इस कार्य के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के सैकड़ो एकड़ रकबा में सिंचाई होगी जो कि क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी और क्षेत्र की तस्वीर बदलने में निर्णायक सहायक होगी। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में कम बारिश होने की वजह से भूमिगत जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है जिसमें इस कार्य के उपरांत सुधार होने की एक उम्मीद जगी है।

यह कहते हैं उपमंडल अधिकारी

इस विषय में विभाग के उपमंडल अधिकारी राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि इस कार्य का आवंटन रण सिंह ठेकेदार को 18 जून 24 को हुआ था जिसको पूरा करने की समय अवधि 12 जनवरी 2025 थी लेकिन इन अडचनों की वजह से उपरोक्त कार्य समय पर पूरा नहीं हो पाया जिसके लिए विभाग ने इकरारनामा में परिवर्तन करके ठेकेदार को आगामी 6 महीना में इस बकाया नहर के कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

4.100 किमी काम पूरा

इस नहर की कुल लंबाई लगभग 7.600 किलोमीटर है जिसमें से लगभग 4.100 किलोमीटर नहर का निर्माण कार्य वर्ष 1992-1995 में पूरा कर लिया गया था। उस दौरान गांव बुढ़वाल की सीमा में ग्रामीणों ने नहर का निर्माण कार्य नहीं करने दिया और तब से लेकर अब तक ये निर्माण कार्य लंबित था।

समय के साथ-साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदल गई और इस बकाया नहर निर्माण के कार्य को अमलीजामा पहनाने के लिए सीएम के निर्देश पर विभाग ने फिर से कोशिश की। प्रभावित लोगों ने न्यायालय में कार्य रुकवाने के लिए केस दायर कर दिया लेकिन न्यायालय ने इस मामले को प्रथम दृष्ट्या ही खारिज कर दिया।

खबर संक्षेप

युवा साथी एवं उड़ान ट्रस्ट ने लगाई छबील

नारनौल। भीषण गर्मी के प्रकोप से जूझ रहे राहगीरों के लिए युवा साथी ग्रुप हरियाणा और उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सदस्य आगे आए और छबील लगाई। इन समर्पित युवाओं ने मिलकर नारनौल-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 148 बी पर राहगीरों को तपती धूप में ठंडक पहुंचाने के लिए निःशुल्क नींबू पानी पिलाने की सराहनीय पहल की है। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में अचानक गर्मी बढ़ गई है जिससे हाईवे पर सफर करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हृदय एवं स्वास्थ जांच शिविर का 32 लोगों ने उठाया लाभ

कनीना। कनीना मंडी स्थित लाला शिवलाल धर्मशाला में रविवार को आयोजित 87वें हृदय एवं सामान्य रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 32 जरूरतमंद मरीजों ने स्वास्थ लाभ उठाया। शिवकुमार अग्रवाल व योगेश कुमार ने बताया कि सेवा भारती की और से आयोजित शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.रजत अग्रवाल, हिमानी अग्रवाल की टीम ने मरीजों की जांच कर दवा वितरित की।

सात दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव कैंप का समापन

महेंद्रगढ़। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी तलवाना में सात दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव कैंप का समापन हुआ। प्राचार्य धर्मवीर सिंह तथा विज्ञान अध्यापक मनोज कुमार ने इन सात दिनों के दौरान विद्यार्थियों द्वारा जो सीखा गया, उस पर विस्तार से चर्चा की गई व भविष्य में भी छात्रों को इस प्रकार के होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य धर्मवीर सिंह ने बताया कि इस प्रकार के कैंप ज्ञानवर्धक होने के साथ ही सीखने की प्रेरणा भी देते हैं।

25 पंप व 10 फव्वारा के साथ टी और बैंड चोरी

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में इन दिनों फव्वारा चोर गिरोह सक्रिय हो रहा है, जो आए दिन किसानों के खेतों से कामयाब हो रहे हैं। फव्वारा के साथ अन्य सामान भी चोरी कर रहे हैं। किसान के खेत से पंप व फव्वारा पंप के साथ टी और बैंड अज्ञात चोर चुरा कर ले गए। पुलिस में दर्ज शिकायत में सुजापुर निवासी विद्वान ने बताया कि उसका खेत गांव से एक से डेढ़ किलोमीटर है। गत सात जुन उसके खेत में 25 पंप व 10 फव्वारा पंप सैट तथा एक टी और बैंड रखा हुए थे। जब वह सुबह खेत में गया तो उसको उसका सामान गायब मिला। वहीं पर अनजान गाड़ी के टायर खोज मिले थे। उसके पड़ोसी अमर चन्द के खेत सात पाइप भी चोरी हो गए।

पीएचसी को लेकर खातोद व खातोदड़ा के बीच विवाद

खातोदड़ा के ग्रामीणों ने उठाई पीएचसी बनाने की मांग, मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री से होगी मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

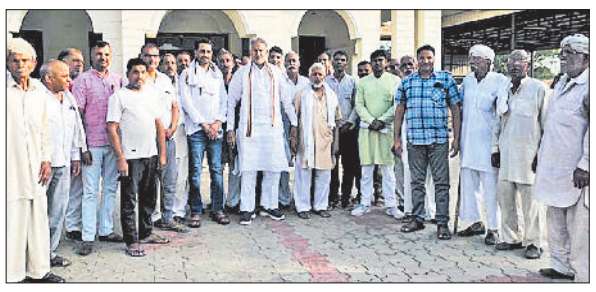

महेंद्रगढ़। गांव में बैठक करते ग्रामीण व प्रो. रामबिलास शर्मा से मिलते खातोदड़ा से ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल। फोटो :हरिभूमि

पीएचसी की मंजूरी को लेकर खातोदड़ा व खातोद के बीच भाईचारा राजनीति की भेंट चढ़ने की ओर है। समय रहते स्थिति को नहीं संभाला गया तो बड़ा विवाद बन सकता है। इस मुद्दे को लेकर गांव खातोदड़ा में ग्रामीणों की बैठक भी हुई है। तय किया गया है कि विधायक मामले को नहीं सुलझाते है तो वह मामले को आगे लेकर जाएंगे। वहीं गांव खातोदड़ा के ग्रामीणों ने पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा से भी मुलाकात की और मामले को रखा। बताया जा रहा है कि इसी मामले को लेकर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने मंगलवार मिलने का समय दिया है।

खातोदड़ा में हुई बैठक

गांव खातोदड़ा के ग्रामीणों की बैठक रविवार को हुई। बैठक में मुख्यवक्ता समाजसेवी बलवान फौजी रहे। बलवान फौजी ने कहा कि गांव खातोदड़ा में पीएचसी 25 अप्रैल 2024 को हरियाणा स्वास्थ्य विभाग मंत्रालय द्वारा पास हुई। इसके बाद सभी अधिकारियों ने सर्वे करवाए गए, जिसमें जीपीए के माध्यम से पोर्टल पर भी चढ़ाई गई और संपूर्ण उनके हिदायत होती हैं, वह पूरी की गई पंचायत खातोदड़ा ने पीएचसी भवन बनाने के लिए जमीन दे दी। इसके बाद अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह कहा गया कि अस्थाई रूप से चिकित्सक बैठने के लिए भवन चाहिए, अस्थाई रूप से सरकारी स्कूल के अंदर पास करवाकर भवन दे दिया गया हैं। इसके बावजूद जब मुख्यमंत्री नायब सैनी महेंद्रगढ़ आए तो विधायक कंवर सिंह यादव ने सीएम के द्वारा खातोद में पीएचसी अनाउंस करवा दी। इसके बाद खातोदड़ा के ग्रामीण विधायक कंवर सिंह यादव से मिले तो उन्होंने कहा कि इस मामले को क्यों मुद्दा बना रहे हो और अगर यह खातोद में आ जाए तो तुम्हें क्या दिक्कत है। इस प्रकार से पूरी ग्राम पंचायत को बिना किसी नतीजे के वहां से वापस भेज दिया और अब अपनी विधायक की ताकत का दुरुपयोग करके खातोदड़ा गांव से हटाकर खातोद में ले जाना चाह रहे हैं। ग्रामीणों को खातोद गांव से कोई तकलीफ नहीं है, वहां अपनी कोई भी नई परियोजनाएं लेकर आए, लेकिन खातोदड़ा में पीएचसी पास होने के बावजूद भी विधायक खातोद ले जाना चाहते हैं। इसी मुद्दे को लेकर रविवार को बैठक बुलाई गई। बैठक में पंचायत ने फैसला लिया है कि अगले अगले सप्ताह डीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री को पत्र भेजा जाएंगा। ग्रामीणों ने कहा कि विधायक और किसी कामों पर तो ध्यान देते नहीं, परंतु एक-दूसरे के भाईचारे को खराब करने के लिए खातोदड़ा और खातोद गांव को आपस में खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

इस प्रकार की राजनीति नहीं करनी चाहिए। यह पीएचसी 18 गांवों को फायदा देगी। बलवान फौजी ने कहा कि अगर विधायक खातोद गांव में पीएचसी बनवाने चाहते हैं तो उनकी राजनीतिक और उनकी सामाजिक जीवन की यह सबसे बड़ी गलती होगी और हम ग्राम पंचायत के साथ मिलकर लड़ाई लड़ेंगे और किसी भी कीमत पर इस पीएचसी को कहीं किसी और जगह नहीं जाने देंगे।

रामबिलास से मिले खातोदड़ा के ग्रामीण

गांव खातोदड़ा के ग्रामीणों के एक प्रतिनिधि मंडल ने गांव के सरपंच कृष्ण कुमार के नेतृत्व में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा से उनके आवास पर मुलाकात की। ग्रामीणों ने प्रो.रामबिलास शर्मा को बताया कि उनके गांव खातोदड़ा में आप के प्रयास से गांव में पीएचसी मंजूर हुई थी जिसके लिए विभाग द्वारा भवन निर्माण के लिए जमीन व जब तक भवन ना बने तब तक अस्थाई भवन के लिए स्थान मांगा गया था जिसके संबंध में 2024 में एक पत्र ग्राम पंचायत को मिला। ग्राम पंचायत ने गांव में पीएचसी के लिए भूमि एवं अस्थाई भवन के लिए जगह उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभाग को पंचायत का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। ग्रामीणों ने पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा को यह भी बताया कि स्थानीय विधायक कंवर सिंह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को गुमराह करके खातोदड़ा में मंजूर पीएचसी को अपने गांव खातोद में करवाना चाहते हैं इसके लिए उन्होंने गुमराह करके मुख्यमंत्री से 18 मई को महेंद्रगढ़ में आयोजित मुख्यमंत्री की धन्यवाद रैली में घोषणा करवा ली। विधायक कंवर सिंह यादव खातोदड़ा एवं खातोद मिलते जुलते नाम होने की वजह से गलत फायदा उठाना चाहते हैं तथा अपने गांव में इस पीएचसी को ले जाना चाहते हैं। प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से खातोदड़ा में मंजूर पीएचसी को लेकर दूरभाष पर की बात की तथा उन्हें गांव खातोदड़ा गांव के प्रतिनिधि मंडल से अपना पक्ष रखने के लिए उनसे मिलने के लिए निवेदन किया। जिस पर आरती सिंह राव ने मंगलवार को गांव खतोदड़ा पंचायत से मिलने का समय दिया है।

मंडी अटेली। भाषा समर कैंप में बच्चों को भाषाओं के ज्ञान के बारे में बताते हुए।

भारतीय भाषा समर कैंप का समापन

मंडी अटेली। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांटी में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा छह से आठ तक विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। भाषा कैंप के संयोजक विज्ञान अध्यापक विष्णु शर्मा ने बताया कि इस कैंप का मुख्य उद्देश्य देश में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं के ज्ञान के साथ-साथ देश के साहित्य, संस्कृति के विभिन्न भौगोलिक व ऐतिहासिक पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत करवाना था। प्रत्येक दिन के लिए अलग-अलग थीम थी। विद्यार्थियों ने अभिवादन के तरीके, विभिन्न भाषाओं में संगीत, रियल लाइफ में वार्तालाप, देश की नदियों तथा पर्वतों के बारे में जाना।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारी सीखेंगे योग के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- जेठू बाबा मंदिर प्रांगण में एक दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यशाला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परिमंडल नारनौल की ओर से सुबह छह बजे से आठ बजे तक नसीबपुर स्थित जेठू बाबा मंदिर प्रांगण में एक दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यशाला होगी। नोडल अधिकारी कार्यकारी अभियंता जितेन्द्र हुड्डा ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा इस वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरों से की जा रही हैं। इसी क्रम में नौ जून को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के स्टाफ को योग प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान योगाभ्यास करवाया जाएगा। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में परिमंडल नारनौल के अधीक्षक अभियंता एसपी जोशी शिरकत करेंगे। इस वर्ष यह आयोजन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जो लोगों में स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह समारोह 'योग युक्त-नशा मुक्त' थीम पर केंद्रित है, जो समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और नशामुक्त समाज के निर्माण के दोहरे उद्देश्यों को पुष्ट करता है। यह नारा सरकार की जागरूक और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से भी मेल खाता है।

किला रोड पर लगाई छबील, विधायक भी पहुंचे

नारनौल। सामाजिक एवं अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की ओर से किला रोड पर छबील लगाई गई। इस दौरान आवागमन करने वाले लोगों को दूध एवं पानी पिलाया गया। इस छबील को देख कर विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव भी अपने काफिले के साथ अपना आशीर्वाद देने पहुंचे। उन्होंने भी आते जाते राहगीरों को शीतल शर्बत पिलाया और संस्था की तारीफ की। आज इस शीतल शर्बत को पिलाने में अपना सहयोग देते हुए राघव गोगिया,जयप्रकाश गोयल,नवीन हरियाणवी, प्रवेश जांगिड, डॉक्टर प्रदीप कुमार, मनीष गोगिया, अनिल शर्मा, सुनील शर्मा, मानव कुकरेजा, प्रथम शर्मा, हर्ष राव, राकेश यादव, राकेश मित्रपुरा, संजय सैनी, योगेश सोनी, विजय रहीश, डॉक्टर शिव कुमार, हिमांशु संघी एवं अन्य गणमान्य साथियों की गरिमा मई उपस्थिति रही।

कॉलेज एडमिशन का अंतिम दिन आज

कॉमर्स एवं फिजिकल एजुकेशन में रुचि नहीं दिखा रहे छात्र

- गर्ल्स कॉलेज में कॉमर्स के साथ-साथ आर्ट्स में भी कम रुचि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्नातक कक्षाओं में गत नौ जून से ऑनलाइन दाखिला रजिस्ट्रेशन का शुरू हुआ सिलसिला सोमवार को थम जाएगा। नौ जून को रजिस्ट्रेशन का अंतिम दिन होगा। कॉलेज एडमिशन रजिस्ट्रेशन के अब तक चले सिलसिले के अनुसार नारनौल के ब्वायॅज कॉलेज की सीटों एवं ऑनलाइन हुए रजिस्ट्रेशन की संख्या को देखकर स्पष्ट हो रहा है कि इस बार विद्यार्थियों में बैचलर ऑफ कॉमर्स तथा फिजिकल एजुकेशन में कोई खास रुचि नहीं है। कॉमर्स की जहां लगभग 28 प्रतिशत तो फिजिकल एजुकेशन की 10 प्रतिशत सीटें अब भी रिक्त दिखाई जा रही हैं। वर्तमान में चल रही दाखिला प्रक्रिया के दौरान देखने को मिला है कि ब्वॉयज कॉलेज में यूजी के बैचलर ऑफ आर्ट विषय में 660 सीटें निर्धारित हैं तथा इन सीटों की तुलना में अंतिम दिन से एक दिन पहले तक 699 विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं, जो लगभग 105 प्रतिशत बनता है, यानि कला संकाय में अब सभी छात्रों को दाखिला मिल पाना संभव नहीं होगा। यही हाल बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिर्सट्रेशन में है, जिसकी 40 सीटों की तुलना में 65 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जिनका 162 प्रतिशत बनता है, लेकिन बैचलर ऑफ कॉमर्स में विपरित स्थिति बनी हुई है। अब तक कॉमर्स की 240 सीटों की तुलना में महज 174 आवेदन ही प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार इस संकाय में सीटें रिक्त रहने का खतरा बना हुआ है। बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में कड़ी स्पर्धा देखने को मिल रही है। रोजगारपरक इस संकाय में छात्रों की गहरी रुचि है और 40 सीटों की तुलना में 146 आवेदन प्राप्त हो चुके है, जिसका 365 प्रतिशत बनता है, जो सभी संकायों में सर्वाधित है। बैचकर ऑफ साइंस इन लाइफ साइंस विषय की 160 सीटों की तुलना में 208 आवेदन हो चुके हैं, जिनका 130 प्रतिशत बनता है।

विधानसभा चुनाव में योगदान पर बिशन ने किया कैलाश चौधरी का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सैनी सभा के प्रधान बिशन सैनी ने रविवार पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चंद चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात की। यह भेंट सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें समाज के विकास, शिक्षा, युवाओं के भविष्य और रोजगार के अवसरों को लेकर विशेष चर्चा हुई।

बिशन सैनी ने कैलाश चौधरी का विशेष रूप से धन्यवाद व्यक्त किया, जिन्होंने हाल ही में विधानसभा चुनाव में जिला महेंद्रगढ़ के प्रभारी के रूप में कड़ी मेहनत करके भारतीय जनता पार्टी को विजय दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बिशन सैनी कहा कि श्री चौधरी का यह योगदान पार्टी और समाज दोनों के लिए प्रेरणास्पद है। पूर्व मंत्री कैलाश चौधरी ने सैनी समाज की एकजुटता और सकारात्मक योगदान की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया कहा कि सैनी समाज मेहनतकश, राष्ट्रभक्त और संगठित समाज है, जिसने हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है।

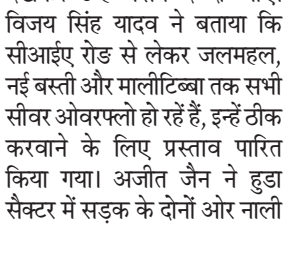

नारनौल। कैलाश चौधरी का सम्मान करते प्रधान बिशन सैनी

उन्होंने समाज के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, डॉ. अनिल सैनी, बलबीर सैनी, सुरेंद्र सैनी एवं सुनील सैनी भी मौजूद रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर और संत कबीर की मूर्तियों का बास किरारोद उमराबाद में 11 को होगा अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। संत कबीर एवं डा. अंबेडकर।

प्रमुख समाजसेवी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के सेवानिवृत्त मैनेजर चौधरी फूल सिंह महायच के सौजन्य से दादा रणधीर प्रांगण बास किरारोद उमराबाद में डॉ. अंबेडकर और संत कबीर की मूर्तियों की स्थापना 11 जून को प्रातः 9 बजे की जाएगी। डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा समिति के तत्वावधान में आयोजित समारोह में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण मुख्य अतिथि सर्व अजा संघर्ष समिति के महासचिव एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा समिति बास किरारोद उमराबाद के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल द्वारा किया जाएगा, वहीं संत कबीर की मूर्ति का अनावरण चौधरी फूल सिंह महायच की धर्मपत्नी एवं प्रमुख समाजसेविका कृष्णा महायच के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। समारोह के आयोजक फूल सिंह महायच ने बताया कि मूर्तियों के स्थापना स्थल पर चारदीवारी का निर्माण, सौंदर्यीकरण, मूर्तियों के निर्माण के साथ_-साथ स्थापना दिवस पर भण्डारे आदि का समस्त खर्चा उनके द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इन मूर्तियों की स्थापना महापुरुषों द्वारा समाज के लिए किए गए आने वाली भावी पीढ़ियों के प्रेरणास्रोत के उद्देश्य से की गई है।

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने बैठक कर उठाई यह मांग

अनपढ़ बुजुर्गों से डाकघर में पेंशन के लिए न करें गवाह की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

ये रहे मौजूद : बैठक में शिवहरि अग्रवाल सोहनलाल चौहान, विजयसिंह यादव, भागीरथ प्रशाद, रविन्द्र कुमार, अजीत प्रकाश जैन, अशोक, बीएल सैनी, सुरेश जांगिड़ व अन्य मौजूद रहे।

नारनौल। बैठक में हिस्सा लेते वरिष्ठ नागरिक। फोटो :हरिभूमि

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक रविवार किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में हुई। इसकी अध्यक्षता प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने की। परम्परानुसार सर्वप्रथम इस माह के जन्मदिन पर सोम प्रकाश अग्रवाल व सैनी सभा के पूर्व प्रधान भगवान दास सैनी को सम्मान पट पहनाकर उनको सम्मानित कर दीर्घायु होने की कामना की। इस अवसर पर शिवलाल वर्मा ने माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार सड़क के दोनों ओर फुटपाथ बनाए जाने का प्रस्ताव रखा ताकि दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और आमजन आसानी से आवागमन कर सकें। रामनिवास सैनी ने बताया कि डाकघर में वृद्ध पैन्शन वितरित करते समय उनसे किसी गवाह को लाने के लिए कहा जाता है। बाहर से आए यह बुजुर्ग गवाह कहां से ला सकते हैं। ऐसे में प्रस्ताव पारित किया गया कि बुजुर्गों को पैन्शन उनकी कोई एक आईडी देखकर उन्हे पेंशन दे दी जाए। विजय सिंह यादव ने बताया कि सीआईए रोड से लेकर जलमहल, नई बस्ती और मालीटिब्बा तक सभी सीवर ओवरफ्लो हो रहें हैं, इन्हें ठीक करवाने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। अजीत जैन ने हुडा सैक्टर में सड़क के दोनों ओर नाली बनवाने की मांग रखी, जिसे सर्वसम्मति से पारित करते हुए नगर परिषद से मांग रखने की बात कही। शहर मे चल रहे श्री-व्हीलर के चालकों ने किराया एकदम 10 रुपये से 20 रुपये कर दिया है, इसमे संशोधन करने के लिए जिला प्रशासन से पहले भी अनुरोध किया जा चुका है किन्तु इस पर कोई कार्रवाई नही हुई है। इस पर पुनः विचार करके किराया कम किया जाए।